नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. देवताओं का स्वरूप निर्धारण कीजिए ।
2. ऋग्वेद के भाष्यकारों पर एक निबंध लिखिए ।
3. यजुर्वेद के प्रतिपाद्य विषय को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए ।
4. अथर्ववेद की शाखाओं पर प्रकाश डालिए ।
5. ब्राह्मण साहित्य का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।
6. आरण्यक-साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए ।
7. "उपनिषद" का अर्थ स्पष्ट करते हुए "उपनिषद्-साहित्य" के मौलिक सिद्धांतों का विवेचन कीजिये ।
8. निरूक्त क्या है? क्या निरूक्त वेदार्थ-ज्ञान में सहकारी हैं? स्पष्ट कीजिए ।
9. सूत्र साहित्य पर निबंध लिखिए ।
10. रामायण के भाव-पक्ष एवं कला-पक्ष पर प्रकाश डालिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Revised Examination Programme-2012 **M.A. (Part-I)** **Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu**			
Date	**Paper**	**Time**	**Examination Centre**
29/3/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/3/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/4/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/4/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/4/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/4/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/4/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/4/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-II

(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. महाकाव्य की परिभाषा देते हुए उसके विभिन्न भेदों का परिचय दीजिए ।
2. "माधे सन्ति त्रयो गुणाः" उक्ति का विवेचन कीजिए ।
3. गीतिकाव्य का स्वरूप निर्धारित करते हुए इसकी विशेषताओं का परिचय दीजिए।
4. कथा एवं आख्यायिका के साम्य-वैषम्य पर विचार करते हुए कादम्बरी की विधा निरूपित कीजिए ।
5. "बृहत्कथा" से आप क्या समझते हैं? उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
6. संस्कृत नीतिकथाओं में पंचतंत्र का मूल्यांकन कीजिए ।
7. "कालिदासस्य सर्वस्वमभिज्ञान शाकुन्तलम्" - उक्ति के आधार पर "अभिज्ञान शाकुन्तलम्" की समीक्षा कीजिए ।
8. नाटककार भवभूति का परिचय दीजिये ।
9. आधुनिक संस्कृत साहित्य में परवर्ती परम्परा के कवियों एवं उनके काव्यों की मीमांसा कीजिये ।
10. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिएः-
    क. वेताल पंचविंशति
    ख. सुबन्धु की "वासवदत्ता"

ꕥ ꕥ ꕥ

Revised Examination Programme-2012 **M.A. (Part-I)** **Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu**			
Date	**Paper**	**Time**	**Examination Centre**
29/3/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/3/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/4/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/4/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/4/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/4/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/4/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/4/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-III

(भाषा विज्ञान तथा लिपि विज्ञान)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भाषा विज्ञान की विश्लेषण प्रक्रिया के स्तरों का विवेचन करें ।
2. भाषा और विभाषा (बोली) के अन्तर का सम्यक् निरूपण करें ।
3. आकृतिमूलक वर्गीकरण की क्या उपयोगिता है? प्रश्लिष्ट योगात्मक भाषा का सोदाहरण विवेचन करें ।
4. भारोपीय भाषा परिवार के उद्भव और नामकरण की विवेचना कीजिए ।
5. अवेस्ता और वैदिक संस्कृत के ध्वनिसाभ्य एवं वैषम्य का सोदाहरण विवेचना कीजिए ।
6. द्राविड़ परिवार की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उत्तर भारतीय भाषाओं के साथ अन्तःक्रिया का विवेचन करें ।
7. ध्वनिविज्ञान तथा ध्वनि प्रक्रिया से क्या समझते हैं? इनके अन्तर को सोदाहरण बतलाएँ ।
8. स्वर एवं व्यञ्जन में क्या अन्तर है? इन दोनों का सोदाहरण निरूपण कीजिये।
9. अर्थ-परिवर्त्तन की दिशाओं की विवेचना कीजिये ।
10. ''काव्य भाषा की उच्चतम ईकाई है''- इस कथन का सोदाहरण स्पष्टीकरण कीजिये ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Revised Examination Programme-2012 **M.A. (Part-I)** **Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu**			
Date	**Paper**	**Time**	**Examination Centre**
29/3/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/3/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/4/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/4/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/4/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/4/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/4/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/4/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-IV

(भारतीय दर्शन एवं संस्कृति)

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

प्रत्येक खंड से दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–'क' (भारतीय दर्शन)

1. सांख्य–योग दर्शन का परिचय दीजिए ।

2. अनेकान्तवाद का निरूपण कीजिए ।

3. सांख्य दर्शन के अनुसार सृष्टि प्रक्रिया का वर्णन कीजिए ।

4. वेदान्त दर्शन के अनुसार ब्रह्म का विवेचन कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए :–
   (क) धारणा
   (ख) ध्यान
   (ग) समाधि

खण्ड–'ख' (भारतीय संस्कृति)

6. भारतीय संस्कृति की अलग पहचान क्यों है ? स्पष्ट कीजिए ।

7. शिक्षा से सम्बद्ध संस्कारों का निरूपण कीजिए ।

8. वर्ण और जाति में अन्तर स्पष्ट करते हुए जाति–प्रथा का परिचय दीजिए ।

9. वानप्रस्थ तथा संन्यास आश्रमों का वर्णन कीजिए ।

10. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :–
   (क) वैदिक धर्म
   (ख) ऋग्वेद में विज्ञान

Revised Examination Programme-2012
M.A. (Part-I)
Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
29/03/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/03/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/04/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/04/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/04/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/04/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/04/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/04/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-V

(संस्कृतेतर भारतीय भाषाएँ)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. पालि अभिलेखों का परिचय दीजिए ।

2. संस्कृत नाटकों में प्राकृतों के प्रयोग का विवेचन कीजिए ।

3. बौद्ध-सिद्ध कवियों की कृतियों का परिचय दीजिए ।

4. रीतिकालीन सामाजिक-राजनीतिक स्थितियाँ कैसी थी ? प्रकाश डालिए ।

5. भारतेन्दु काल का परिचय दीजिए ।

6. द्विवेदीयुगीन प्रमुख रचनाकारों का परिचय दीजिए ।

7. बंगला गद्य को रवीन्द्रनाथ की देन का परिचय दीजिए ।

8. आधुनिक मराठी नाटक-साहित्य का परिचय दीजिए ।

9. तमिल साहित्य के इतिहास के कालविभाजन पर प्रकाश डालिए ।

10. पोतना (तेलुगु) का कवि परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Revised Examination Programme-2012 **M.A. (Part-I)** **Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu**			
Date	**Paper**	**Time**	**Examination Centre**
29/3/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/3/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/4/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/4/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/4/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/4/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/4/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/4/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
वार्षिक परीक्षा, 2012
एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट-I, पत्र-VI
(संस्कृत व्याकरण)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. माहेश्वर सूत्र से आप क्या समझते हैं ? ये कितने और कौन-कौन हैं ?
2. प्रयत्न किसे कहते हैं ? इनके प्रकारों का सोदाहरण उल्लेख करें ?
3. हल् सन्धि किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न स्वरूपों को सूत्र निर्देशपूर्वक सोदाहरण स्पष्ट करें ?
4. यण सन्धि विधायक सूत्रों की व्याख्या करते हुए सुध्युपास्यः तथा मध्वरिः पदों की सिद्धि कीजिए ?
5. निम्नलिखित प्रयोगों में सन्धि के उपयुक्त नियम बताकर सन्धि विच्छेद कीजिए :-
   (क) मनीषा, (ख) तवल्कारः, (ग) वाग्धरि,
   (घ) विद्वाँल्लिखति, (ङ) लक्ष्मीच्छाया, (च) पुना रमते,
   (छ) शिवो वन्धः, (ज) हरिश्शेते
6. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***चार*** की व्याख्या कीजिए :-
   (क) उङः पदान्तादति, (ख) उरण् रपरः, (ग) विसर्जनीयस्य सः,
   (घ) हलि सर्वेषाम्, (ङ) भो-भगो-अधो-अपूर्वस्य योऽशि
7. कर्ता और कर्मकारक को पारिभाषित करते हुए सोदाहरण स्पष्ट करें ।
8. अधोलिखित सूत्रों में किन्हीं ***चार*** के सोदाहरण अर्थ स्पष्ट कीजिए :-
   (क) सहयुक्तेऽप्रधाने, (ख) क्रियया चमभिप्रैति सोऽपि सम्प्रदानम्,
   (ग) षष्ठी चानादरे, (घ) चतश्च निर्धारणम्,
   (ङ) अपादाने पञ्चमी
9. तत्पुरूष समास किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न भेदों को उदाहरण देकर स्पष्ट करें ।
10. निम्नलिखित पदरूपों की समास-विग्रहपूर्वक रूप सिद्ध कीजिये :-
    नीलोत्पलम्, अधिहरि, चन्द्रशेखरः, घनश्यामः,
    यूपदारू, हरिहरौ, वाकत्वचम्, कण्ठेकालः

ꣻ ꣻ ꣻ

Revised Examination Programme-2012
M.A. (Part-I)
Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu

Date	Paper	Time	Examination Centre
29/3/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/3/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/4/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/4/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/4/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/4/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/4/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/4/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-VII

(भारतीय काव्य शास्त्र)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. आचार्य भामह और दण्डी के काव्य सम्बन्धी विचार का तुलनात्मक विवेचन कीजिए ।
2. गद्य काव्य के कितने भेद हैं ? प्रमुख भेदों का परिचय दीजिए ।
3. ध्वनि काव्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए ।
4. शब्द शक्तियों का परिचय दीजिए ।
5. वामन द्वारा विवेचित गुण के शब्दगत अथवा अर्थगत दश भेदों का परिचय दीजिए ।
6. रसानुभितिवाद का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए ।
7. साधारणीकरण के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।
8. ध्वनि किसे कहते हैं ? सप्रमाण उत्तर दीजिए ।
9. 'रीतिरात्मा काव्यस्य'-इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
10. निम्नलिखित अलंकारों की परिभाषा और उदाहरण दीजिए ।
    अनुप्रास, यमक, परिसंख्या, श्लेष ।

***

Revised Examination Programme-2012
M.A. (Part-I)
Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu

Date	Paper	Time	Examination Centre
29/3/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/3/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/4/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/4/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/4/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/4/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/4/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/4/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-VIII

(संस्कृत रचना)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।

1. किसी ***एक*** विषय पर संस्कृत में कम से कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :-
   (क) संस्कृतसाहित्यस्य सामाजिकसन्दर्भः
   (ख) संगणकः
   (ग) आधुनिकीनां नारीणां समस्या

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये :-
   (क) व्याध बाण से हरिण को मारता है ।
   (ख) वन में हिंसक जन्तु रहते हैं ।
   (ग) मोहन फल लाने के लिए बाजार गया ।
   (घ) अध्यापक छात्रों को संस्कृत पढ़ाते हैं ।
   (ङ) श्याम और गोपाल उद्यान में खेलते हैं ।
   (च) विद्यार्थियों को अपने गुरूजनों का आदर करना चाहिये ।
   (छ) अब छात्राएँ भी विज्ञान पढ़ना चाहती हैं ।
   (ज) मैं कल महाविद्यालय नहीं जाउँगी ।

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिये :-
   क्रीडितवान्, पाठयति, स्वधा, द्रष्टुम्, अर्चित्वा, परिधाय, परीपृच्छ्यते, शब्दायते ।

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

   भारतवर्षस्य उत्तरदिशायां हिमालयो नाम पर्वतोऽस्ति । अस्य पर्वतस्य शिखराणि अत्युन्नतानि सन्ति । एतानि शिखराणि सदैव हिमेन आच्छादितानि सन्ति । अतएव अस्य पर्वतस्य अभिधानं हिमस्य आलयः हिमालय इति प्रसिद्धोऽस्ति हिमालयात् गंगा-यमुना-शतद्रु-विपाशा-द्वारावती-वितस्ता-प्रभृतयः अनेकाः नद्यः प्रादुर्भवन्ति । एतासां नदीनां जलं भारतवर्षस्य विशालं भूभागं सिञ्चति । अतएव अस्मिन् देशे प्रभूतानि विविधानि अन्नानि फलानि उद्भवन्ति । अस्मिन् पर्वते विविधाः ओषधयः वृक्षाः धावतः विविधानि च रत्नानि उपलभ्यन्ते ।

   ग्रीष्मकाले तापेन व्याकुलजनाः हिमालयस्य पर्वतीयस्थलेषु गच्छन्ति सुखं च अनुभवन्ति । अस्मिन् एव पर्वते मानसरोवर-अमरनाथ-बद्रीनाथ-केदारनाथ-हरिद्वारप्रभृतीनि अनेकानि दर्शनीयानि तीर्थस्थानानि अनेके च देवालयः सन्ति । एतस्मिन् पर्वते स्थितासु अनेकासु गुहासु साधकाः तपश्चरन्ति । अत्र देवीनां मन्दिराणि अपि सन्ति । एतस्मात् कारणात् अयं पर्वतो देवभूमिरपि कथ्यते ।

   हिमेन आच्छादितानि अस्य उन्नतानि शिखराणि अतिशैत्यात् शत्रुभश्च अस्मान् रक्षन्ति । अयं पर्वतः सुरक्षादृष्ट्या अतीव महत्त्वपूर्णोऽस्ति । अनेनैव कारणेन अस्माकं सुरक्षा-सैनिकाः अस्य रक्षायै तत्पराः भवन्ति ।

   (क) हिमालयः कुत्र राजते ?
   (ख) हिमालयस्य शिखराणि कीदृशानि सन्ति?
   (ग) हिमालयात् काः काः नद्याः प्रादुर्भवन्ति?
   (घ) ग्रीष्मकाले तापेन व्याकुलाः जनाः कुत्र गत्वा सुखम अनुभवन्ति ।
   (ङ) अस्मिन् पर्वते किं किं प्राप्यते?
   (च) हिमालये कानि कानि दर्शनीयानि तीर्थस्थानानि सन्ति?
   (छ) हिमालयः देवभूमिः कथं कथ्यते?
   (ज) हिमालयस्य शिखराणि केभ्यः अस्मान् रक्षन्ति?

5. आपके नगर में विमान दुर्घटना हो गई है, संवाददाता के रूप में आप समाचार-पत्र में प्रकाशन के लिए सूचना पत्र संस्कृत में तैयार करें ।

6. पंचायती राज्य के महत्त्व एवं अधिकारों को लेकर वार्त्ता का आयोजन आकाशवाणी द्वारा किया गया है, इसका प्रारूप संस्कृत में तैयार करें ।

7. गणतन्त्र-दिवस का वर्णन करते हुए अपने मित्र को संस्कृत में एक पत्र लिखें ।

8. निम्नलिखित का हिन्दी अनुवाद कीजिये :-
दीपावली भारतवर्षस्य एकः महान् उत्सवः अस्ति । अयम् उत्सवः कार्तिकमासस्य अमावस्यायां भवति । इदं कथ्यते यत् अस्मिन् दिवसे रावणं हत्वा रामः सीतया लक्ष्मणेन सह अयोध्यां प्रत्यागच्छत् । तदा अयोध्यायाः जनाः अतीव प्रसन्नाः अभवन् । अतः ते स्वानि गृहाणि दीपानां मालाभिः सज्जीकृतवन्तः । ततः प्रभृति प्रतिवर्षं तास्मिन् एव दिवसे एष उत्सवः भवति। सर्वे जनाः स्वगृहाणि स्वच्छानि कुर्वन्ति सुधया लिम्पन्ति, सुन्दरैश्च चित्रैः भूषयन्ति । रात्रौ जनाः लक्ष्मीं पूजयन्ति, मिष्टान्नानि च भक्षयन्ति । भारतीयाः इमम् उत्सर्व प्रतिवर्षं सोल्लासं समायोजयन्ति ।

9. निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्त्ति सामने दिये गए विकल्पों से चयन कर कीजियेः-

(क) मोहनः ..... खल्वाटोऽस्ति । (पादेन, शिरसा)
(ख) अस्मिन् ..... पुष्पाणि विकसन्ति । (उद्यानं, उद्याने)
(ग) ..... निकषा नदी वहति । (ग्रामस्य, ग्रामम्)
(घ) ..... मालानां मूल्यं कियत् । (तासाम्, ताः)
(ङ) भासेन ..... नाटिकानि रचितानि । (त्रयोदश, त्रयोदशानि)
(च) अहं ..... फलं खादामि । (मधुरम्, मधुराणि)
(छ) श्रीकृष्णः ..... वस्त्रं परिधन्ते स्म । (पीतः, पीतम्)
(ज) नृपः वने ..... सिंहं हतवान् । (गत्वा, गतवान्)
(झ) पिता पुत्रं दुग्धम् ..... । (पाययति, पिबति)
(ञ) बालिकाभिः ..... गीयते । (गीतिं, गीतिः)
(ट) यत्र धूमः ..... अग्निः । (किम्, तत्र)
(ठ) पवनः ..... । (न, रात्रिन्दिवम्)
(ड) ऋषिः मोदकं ..... जलं पिबति । (खादित्वा, खादनम्)
(ढ) गुरूं ..... बालकः ज्ञानम् लभते । (सेवन, सेवमानः)
(ण) रामः ..... ज्येष्ठः अस्ति । (भ्रातृषु, भ्रातरम्)
(त) जन्मभूमिः ..... गरीयसी । (स्वर्गादपि, स्वर्गेनापि)

10. निम्नलिखित पदों के विग्रह पदों को लिखिए :-
पीताम्बर, यशोधनः, दशाननः, दण्डादण्डि, सपरिवारः, दम्पती, अमेधः, षाण्मातुरः ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-IX

(वेद तथा उपनिषद)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. ऋग्वेद के ऋषियों के अनुसार अग्नि सर्वाधिक महत्वपूर्ण देवता है । इस कथन का तर्कसम्मत विश्लेषण कीजिए ।

2. वैदिक देवता के रूप में सूर्य का परिचय दीजिए ।

3. संस्कृत में व्याख्या कीजिए :-

   (क) ऊँ अग्निमीके पुरोहितं यज्ञस्यं देवभृत्विजम् होतारं रत्नधातंभम् ।

   (ख) अग्ने यं यज्ञमध्वरं विश्वतः परिभूरसिं ।

   स इद्देवेषु गच्छति ।

4. "उषा" सूक्त आधार पर वैदिक ऋषि के काव्य-सौष्ठव का विवेचन कीजिये।

5. शिव-संकल्प-सूक्त का परिचय दें ।

6. ऋषि ने "सांमनस्यम्" में कौन-कौन से उपदेश दिए? स्पष्ट कीजिये ।

7. महीधर भाष्य के अनुसार आलोचना कीजिये :-

   येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत्

   परिगृहीतममतैन सर्वम् ।

   येनं यज्ञस्तायते सप्तहोंता

   तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु ।।

8. स्वाध्याय और प्रवचन के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

9. याज्ञवल्क्य ने मैत्रेयी को क्या-क्या उपदेश दिए?

10. संस्कृत में व्याख्या कीजिये :-
    (क) वर्णः स्वरः मात्राबलं साम सन्तानः इत्युक्तः शीक्षाध्यायः ।
    (ख) आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XI

(मध्यकालीन एवं आधुनिक संस्कृत काव्य)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किन्हीं दो पद्यों की व्याख्या संस्कृत में कीजिए :-
   (क) तस्याः मुखं पद्मसपत्नभूतं पाणौ स्थितं पल्लवरागताम्रे ।
   छाया-मयस्याम्भरित पङ्कजस्य बभौनतं पद्ममिवोयरिष्टात् ।।
   (ख) नेत्रवज्राः पौरजनस्य तस्मिन्
   विहाय सर्वान् नृपतीन् निपेतुः ।
   मदोत्कटे रेचित-पुष्पवृक्षाः
   गन्धद्विपे वन्य इव द्विरेकाः ।।
   (ग) वसूनि वाञ्छन्न वशी न मन्युना स्वधर्म इत्येव निवृत्तकारणः ।
   गुरूपदिष्टेन रिपौ सुतेऽपि वा निहन्ति दण्डेन स धर्मविप्लवम् ।।

2. किन्हीं दो पद्यों का अनुवाद हिन्दी में कीजिए :
   (क) सूर्य एवास्ति केन्द्रं समासां भुवाम्
   इन्दवे सैव दत्ते तथा कौमुदीम् ।
   आत्मजोऽहं तदीयोऽस्मिन् दिव्योऽपरः
   काऽस्ति कीदृग् व्यथा मेऽत्र दिव्यात्मनः ।।
   (ख) विञ्चतो देवराजेन चोपेक्षितो
   मज्जनन्या तया भीतया लोकतः ।
   प्रीतिदं तं सखायं त्यजेयं कथं
   कः सहायः सकृत् सोऽनिशं मे सखा ।।
   (ग) क्रियासुयुक्तैः नृपः ! चार-चक्षुषो न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः ।
   अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः ।।

3. बौद्धकाल में संस्कृत काव्यरचना का विवेचन कीजिये ।
4. भारवि के काल एवं रचना का विवेचन कीजिये ।
5. सौन्दरनन्द के पाठ्यांश के आधार पर "उपमा अश्वद्योषस्य" इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।
6. "राधेयोऽस्मि वास्मि पार्थो वा" कविता के वैशिष्ट्य का विवेचन कीजिए ।
7. रघुवंश की कथावस्तु का सारांश प्रस्तुत कीजिए ।
8. भारवि के किरातार्जुनीय की समीक्षा महाकाव्य के रूप में कीजिए ।
9. रामायण-महाभारत के पौवापर्य का विवेचन कीजिए ।
10. किन्हीं दो पद्यों का अनुवाद हिन्दी में कीजिए :
    (क) ततो नृपाणांश्रुत-वृत्त-वंशा पुंवत्प्रगल्भा प्रतिहार-रक्षी ।
    प्राक् सन्निकर्षं मगधेश्वरस्य नीत्वा कुमारीमवदत् सुनन्दा ।।
    (ख) सा चक्रवाकीव भृशं चुकूज श्येनाग्र-पक्ष-क्षत-चक्रवाका ।
    विस्पर्धमानेव विमान-संस्थैः वारावतैः कूजन-लोल-कण्ढैः ।।
    (ग) तां चारूदन्ती प्रसभं रूदन्तीं संश्रुत्य नार्यः परमाभितप्ताः ।
    श्रन्तर्गृहात् आरूरूहुः विमानं त्रासेन किन्नर्य इवाद्रिपृष्ठम् ।।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XII (गद्यकाव्य)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. "बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्" इस प्रशस्ति का सन्दर्भ सहित विवेचन करें ।
2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की संस्कृत व्याख्या कीजिए -
   (क) अपरिणामोपशमो दारूणो लक्ष्मीमदः ।
   (ख) उष्णीषपट्टबन्धनेनेव आच्छाद्यते जरागमनस्मरणम्
   (ग) इन्द्रियहरिणहारिणी च सततदुरन्तेयमुपभोगमृगनृष्णिका ।
3. राजाओं को उदेश देना क्यों कठिन है? शुकनासोपदेश के आधार पर विस्तार से लिखें ।
4. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो का अनुवाद हिन्दी में करें ।
   (क) गर्भेश्वरत्वम् अभिनवयौवनत्वम् अप्रतिमरूपत्वम् अमानुष शक्तित्वं चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा सर्वा । अविनयानाम् एकैकमप्येषाम् आयतनम्, किमुत समवायः? यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्र-जल-प्रक्षालन-निर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः । अनुज्झित-धवलतापि सरागैव भवति चूनां दृष्टिः । अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूत-रजोभ्रान्तिः अतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरूषं प्रकृतिः ।
   (ख) न परिचयं रक्षति । नाभिजनमीक्षते । न रूपमालोकयते । न कुलक्रममनुवर्तते । न शीलं पश्यति । न वैदग्ध्यं गणयति। न श्रुतमाकर्णयति । न धर्ममनुरूध्यते । न त्यागमाद्रियते। न विशेषज्ञतां विचारयति । नाचारं पालयति । न सत्यमनुबुध्यते । न लक्षणं प्रमाणीकरोति ।
   (ग) ग्रहैरिन गृह्यन्ते, भूतैरिवाभिभूयन्ते मन्त्रैरिवावेश्यन्ते, सत्त्वैरिवावष्टभ्यन्ते, वायुनेव विडम्ब्यन्ते, पिशाचैरिव ग्रस्यन्ते, मदन-शरैर्ममहिता इव मुखभङ्गसहस्राणि कुर्वते, धनोष्माणा पच्यमाना इव विचेष्टन्ते, गाढप्रहाराहता इवाङ्गनि न धारयन्ति, कुलीरा इव तिर्यक् परिभ्रमन्ति, अधर्मभग्नगतयः पङ्गव इव परेण संचार्यन्ते ।
5. आर्यशूर के काल और रचनाओं का परिचय दें ।
6. निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किन्हीं दो का हिन्दी में अनुवाद करें :-
   (क) अथ कथाचित्स महात्मा परिनिष्पन्न-भूयिष्ठे पृथूभूते शिष्यगणे, प्रतिष्ठापितेऽस्मिन् कल्याणे वर्त्मन्यवतारिते नैष्क्रम्य-सत्पथं लोके संवृतेष्विव अपायद्वारेषु राजमार्गीकृतेष्विव सुगतिमार्गेषु दृष्ट-धर्मसुख-विहारार्थं तत्कालशिष्येण अजितेनानुगम्यमानो योगानुकूलान पर्वतदरी निकुञ्जान् अनुविचचार ।
   (ख) अथ शक्रो देवेन्द्रः क्षितितल-चलनात् आकम्पिते विविधरत्न-प्रमोदभासिनी सुमेरौ पर्वतराजे किमिदमिति समुत्पतित वितर्कः तस्य राज्ञः इमं वितर्कातिशयं धरणीतल-चलननिमित्तमवेत्य विस्मयावर्जितहृदयः चिन्तामापेदे ।

      दानातिहर्षोद्धत-मानसेन वितर्कितं किंस्विदिदं नृपेण । आवध्य दानव्यवसायकक्ष्यां, स्वगात्रदान-स्थिर निश्चयेन ।।

   (ग) अथ तस्य राज्ञः क्रमात् संरूढनयन-व्रणस्य अवगीत-प्रतनू-भूतान्तःपुर-पौर-जानपदशोकस्य प्रविवेककामत्वाद् उद्यान-पुष्करिण्यास्तीरे कुसुम-भरावनत-रुचिर-तरुवर-निशिते मृदु-सुरभि-शिशिर-सुखपवने मधुकर-गणोपकूजिते पर्यङ्केण निषण्णस्य शक्रो देवेन्द्रः पुरस्तात् प्रादुरभवत् । "क एषः" इति च राज्ञा पर्यनुयुक्तोऽब्रवीत् । शक्रोऽहमस्मि देवेन्द्रस्त्वत्समीपमुपागतः ।
7. मैत्रीबल-जातक की विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए इसमें निहित सन्देश का निरूपण करें ।
8. अम्बिकादत्त व्यास की गद्यशैली का सोदाहरण विवेचन करें ।
9. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो का हिन्दी में अनुवाद करें :-
   (क) अरूण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमातिनः । एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचरचक्रस्य, कुण्डलमाखण्डल-दिशः, दीपको ब्रह्माण्डभाण्डस्य, प्रेयान् पुण्डरीक-पटलस्य, शोकविमोकः कोकलोकस्य अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्थ ।
   (ख) ततो दिल्लीश्वरं पृथ्वीराजं कान्यकुब्जेश्वरं जयचन्द्रं च पारस्परिक विरोध-ज्वरग्रस्तं विस्मृतराजनीतिं भारतवर्ष-दुर्भाग्यायमाणम्अखण्डमण्डलम् अकण्टकम् अकीटकिट्टं महारत्नमिव महाराज्यमङ्गी चकार । तेन वाराणस्यामपि वहवोस्थिगिरयः प्रचिताः, रिङ्गत्तरङ्ग भङ्ग गङ्गनमपि शोणितशोणाकृता परस्सहस्राणि च देवमन्दिराणि भूमिसात्कृतानि ।
   (ग) तस्मिन् पर्वते असीदेको महान् कन्दरः । तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म । कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोपि न वेत्ति । ग्रामणी-ग्रामीण ग्रामाः समागत्य मध्ये-मध्ये तं पूजयन्ति प्रणमन्ति स्तुवन्ति च । तं केचित् कपिल इति, अपरे लोभश इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति विश्वसन्ति स्म । स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिवटुभ्यामदर्शि ।
10. रयीशः के पठित अंश का सारांश अपने शब्दों में लिखें ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XIII

(संस्कृत रूपकम)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. रूपक से आप क्या समझते हैं? रूपक के भेदों पर प्रकाश डालिए ।

2. नायक एवं नायिका को परिभाषित करते हुए उनके भेदों पर प्रकाश डालिए ।

3. रूपक के क्रमिक विकास को विवेचित कीजिए ।

4. "मृच्छकटिकम" नाम की सार्थकता पर विचार करते हुए कवि के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या संस्कृत में कीजिए :-

   चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः ।
   न शालेः स्तम्बकारिता वप्तुर्गुणमपेक्षते ।।

6. "मुद्राराक्षस" की कथावस्तु की मीमांसा कीजिए ।

7. "उत्तररामचरित" के तृतीय अंक की संज्ञा कवि ने "छाया अंक" के रूप में दी है । उसके कारणों की समीक्षा कीजिए ।

8. "उत्तररामचरित" नाम की सार्थकता की मीमांसा कीजिए ।

9. "अपूर्व प्रतिशोध" के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

10. नीडोऽयं महता प्रयासेन निर्मितः किन्तु एतस्मात् सर्वे खगा उपेताः । हा हन्त ! कीदृशी ते लीला भगवन् ! पंक्ति की व्याख्या संस्कृत में कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XIV

(व्याकरण)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

खण्ड "अ" एवं खण्ड "ब" से दो-दो प्रश्नों का चयन करते हुए, किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड-"अ"

1. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।
   (क) अजाद्यतष्टाप् (ख) टाबृचि (ग) वयसि प्रथमे (घ) नृनरयोः वृद्धिश्च
2. निम्नलिखित पदरूपों की सिद्धि-सूत्र निर्देशपूर्वक लिखिए -
   (क) इन्द्राणी (ख) पचन्ती (ग) सूर्या (घ) साध्वी
3. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए
   (क) वृत्तिसर्गतायनेषु क्रमः (ख) विपराभ्यां जेः (ग) न गतिहिंसार्थेभ्यः (घ) स्पर्धायामाङः
4. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए -
   (क) समानकर्तृकेषु तुमुन् (ख) ण्वुलतृचौ (ग) पोरदुपधात् (घ) तव्यत्तव्यानीयरः
5. निम्नलिखित पदरूपों की सिद्धि-सूत्र निर्देशपूर्वक लिखिए -
   (क) शिष्यः (ख) गद्यम् (ग) एधितव्यम् (घ) कृत्यम्

खण्ड-"ब"

6. स्त्री प्रत्यय किसे कहते हैं? उदाहरण के साथ स्पष्ट करें ।
7. कृत प्रत्यय किसे कहते हैं? उदाहरण के साथ इसके भेदों को समझाइए ।
8. परस्मैपद प्रक्रिया से सम्बद्ध किन्हीं पाँच सूत्रों का निरूपण करें ।
9. वाच्य के कितने प्रकार हैं? कर्मवाच्य और भाववाच्य के रूप बनाने में नियमों का सोदाहरण उल्लेख करें ।
10. आत्मनेपद से आप क्या समझते हैं? आत्मनेपद का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XV

(संस्कृत शास्त्रों का इतिहास)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. दैवी सिद्धांत के आधार पर नाट्यशास्त्र की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए ।
2. भारतीय ज्योतिष इतिहास में पूर्व मध्यकाल के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।
3. प्राक् वराहमिहिर कालीन ज्योतिष के योगदान का वर्णन कीजिए ।
4. आयुर्वेद का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
5. पूर्व पाणिनेय व्याकरण से त्रिमुनि व्याकरण तक की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।
6. अमरोत्तर कोशीय इतिहास का परिचय दीजिए ।
7. नाट्यशास्त्रीय चिंतन में भरत और उनके उत्तरवर्ती आचार्यों में जो साम्य-वैषम्य हैं, उन्हें प्रकाशित कीजिए ।
8. पाणिनी और पतंजलि का परिचय दीजिए ।
9. भाष्य एवं निबंध शास्त्रों का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :-
    (क) भारतीय ज्योतिष का उदयकाल (ख) अष्टांग आयुर्वेद

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XVI (संस्कृत रचना)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए -
(i) भारवेरर्थगौरवम् (ii) काव्यप्रयोजनम् (iii) एको रसः करूण एव (iv) काव्यस्यात्मा ध्वनिः

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन कीजिए -
(i) नूतनं वस्त्राणि परिधाय पूजनं कुरू ।
(ii) सः बाला कुत्र गच्छति
(iii) रामः दशरथस्य प्रियः पुत्रम् आसीत्
(iv) त्वं द्वे वृक्षौ पश्यसि
(v) अभिज्ञान शाकुन्तले सप्ता अंकानि सन्ति
(vi) हनुमानाय नमः
(vii) सम्राटस्य आज्ञा माननीया
(viii) रामेण रावणः हतम्
(ix) वयं पुस्तकं ददामि
(x) मम गृहे शतानि पुस्तकानि सन्ति
(xi) महयं फलं रूचति
(xii) विद्वान् सर्वत्र पूजयन्ते
(xiii) अहं चलचित्रं न पश्यति
(xiv) अहिंसा परमं धर्मः
(xv) संस्कृत भाषा भारतस्य प्राचीना भाषा वृतते
(xvi) भवान् संस्कृतं पठसि लिखसि च

3. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण करें तथा समुचित शीर्षक दें -
परमेश्वरेण जगति समुत्पादितेषु सर्वद्रव्येषु विधैव सर्वश्रेष्ठं द्रव्यम् । विद्याद्रव्येन विहीनः यो मानवोऽस्ति सः असभ्यः मूर्खः ग्रामीणः कथ्यते । ज्ञानेन बिना यथा पशुः धर्माधर्मयोर्विचारं कर्त्तुं न शक्नोति तथैव मानवोऽपि विधयाविहीनः पापपुण्यायोः कर्त्तव्याकर्त्तव्ययोः विचारं कर्त्तुं न पारयति । विद्याविहीनो मानवोऽध एव निगद्यते । इत्थं च विद्याधनस्य प्रधानता यदन्यानि धनानि व्ययीकृतानि क्षयं यान्ति, किन्तु, विद्याधनं व्ययेन संवर्द्धते । विद्याधनस्थ इयमपि विशेषता यदिदं धनं न केनापि चोरयितुं शक्यते । क्रूरोऽपि कोऽपि नरपति विद्याधनं हर्त्तुं न प्रभवति । न कोऽपि विद्वान् पण्डितः राजाज्ञया विद्याविहीनः कर्त्तुं शक्यते । धनस्य राशिः पुनः भारयुक्तो भवति, परन्तु विद्याधनं न कदापि भारकारि भवति । चतुर्वर्ग फल प्राप्ति साधनमपि विधैव । विद्यया मानवः विपुलां कीर्तिं धनञ्च लभते । को न जानाति यद् दिवङ्तः रवीन्द्रनाथ ठाकुरः, वेंकटेशरमणः, राधाकृष्णों वा विद्ययैव विपुलं यशः प्रभूतं च धनं प्राप्नुवन्तः ।

4. निम्नलिखित सूक्तियों की संस्कृत में व्याख्या करें -
(i) शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम् (ii) बुद्धिर्यस्य बलं तस्य

5. निम्नलिखित रेखांकित शब्दों में विभक्ति निर्देश करते हुए सूत्र-प्रयोग को समझाएँ -
(i) <u>मासमधीते</u> व्याकरणम्
(ii) <u>रामेण</u> सह सीता गच्छति
(iii) <u>कुण्डलाय</u> हिरण्यम्
(iv) <u>वृक्षात</u> प्रत्राणि पतन्ति
(v) <u>जन्मभूमिः</u>स्वर्गात् अपि गरीयसी
(vi) <u>पादेन</u> खञ्जः
(vii) <u>नदीषु</u> गंगा श्रेष्ठा
(viii) <u>कृष्णस्य</u> कृतिः

6. निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य-परिवर्त्तन करें -
(i) मयूराः नृत्यन्ति
(ii) वृद्धाभिः कथा श्रूयते
(iii) गायकाः गीतानि गायन्ति
(iv) गुरूणा सत्यं उद्यते
(v) एकेन चन्द्रेन तमो हन्यते
(vi) शिष्याः गुरून् नमन्ति
(vii) अहं चन्द्रं पश्यामि
(viii) बालकेन क्रीड्यते
(ix) अस्माभिः विद्यालये स्थीयते
(x) वयम् हसामः
(xi) राजा बाणेन सिंह हन्ति
(xii) भूपः खड्गं गृहणाति
(xiii) छात्राः ग्रामं गच्छन्ति
(xiv) मया चलचित्रं दृश्यते
(xv) रामः अजां ग्रामं नयति
(xvi) कविभिः कविता क्रियते

7. समास विग्रह करते हुए समास का नाम बताएँ -
(i) समुद्रम्
(ii) उपगङम्
(iii) कृष्णार्जुनौ
(iv) कृष्णाश्रितः
(v) वीणापाणिः
(vi) राजपुरूषः
(vii) पञ्चवटी
(viii) घनश्यामः

8. नामधातु किसे कहते हैं । पाँच उदाहरण दें ।

9. संधि विच्छेद करते हुए संधि का नाम बताएँ -
(i) उज्ज्वलः
(ii) जगदीशः
(iii) गायकः
(iv) रामायणम्
(v) सुखार्त्तः
(vi) संसारः
(vii) एकैकम्
(viii) महौषधि

10. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखें -
(i) तीव्रः
(ii) धनी
(iii) अर्वाचीनः
(iv) नृपः
(v) संयोगः
(vi) कृतज्ञः
(vii) लाभः
(viii) विजयः

ꣿ ꣿ ꣿ